खबर संक्षेप

सड़क के बीच खड़ा 10 साल पुराना बिजली का खंभा हटाया गया

मैहर। मैहर जिले के नादन गांव की आदिवासी बस्ती में सड़क के बीच पिछले करीब 10 वर्षों से खड़ा अनुपयोगी बिजली का खंभा खड़ा हुआ था मगर नहीं हटाया जा रहा था। अतः आखिरकार कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी के निर्देश पर हटा दिया गया।खंभे के कारण ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी होती थी और दुर्घटना का खतरा बना रहता था। ग्रामीणों द्वारा लंबे समय से शिकायत किए जाने के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई थी। मामला सामने आने के बाद कलेक्टर के निर्देश पर बिजली विभाग ने खंभा हटाकर लोगों को राहत दी।

सोनवारी झण्डहा टोला प्रधानमंत्री रोड एवं पुलहा अहरी तक का रास्ता बंद

मैहर। मैहर अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत सोनवारी में झण्डहा टोला प्रधानमंत्री रोड एवं पुलहा अहरी तक का रास्ता बंद किए जाने से ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध को लेकर ग्रामीणों के द्वारा पूर्व में तसहीलदार एसडीएम, कलेक्टर,विधायक एवं सांसद तक फरियाद की गई है लेकिन आज तक रास्ता को नहीं खुलवाया जा सका है। ग्रामीणों के द्वारा इस समस्या को लेकर आज मैहर जिला कलेक्टर को जनसुनवाई में शिकायती आवेदन पत्र देकर उक्त रास्ते को शीघ्र खुलवाए जाने की मांग की गई है। ग्रामीणों के द्वारा बताया गया है कि सोनवारी मुख्य मार्ग से ग्राम गोरइया खुर्द तक प्रधानमंत्री आवास रोड का निर्माण हो चुका है,इसी तरह सन 1979-80 में कोलान बस्ती के आगे ग्राम पंचायत सोनवारी झण्डहा टोला मार्ग में मुरमीकरण सहित 2 पुलियों का निर्माण भी कराया गया था लेकिन कोलान बस्ती के आगे मनसुखलाल पिता जोला पटेल व घनश्याम व आनंद पटेल पिता मुन्ना लाल पटेल के द्वारा लगभग 2 सौ मीटर तक रास्ते को खोद कर बंद कर दिया गया है। इस रास्ते के बंद होने से क्षेत्रीय ग्रामीणों को आवागमन बंद हो गया है।

मैहर के थाना प्रभारी अमिनेश द्विवेदी बने डीएसपी

मैहर। मैहर के पूर्व थानाप्रभारी अमिनेश द्विवेदी को मध्य प्रदेश पुलिस विभाग में पदोन्नति मिलने पर उन्हें उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) के पद पर पदस्थ किया गया है। उनकी पदोन्नति की खबर से पुलिस विभाग और क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है। मैहर में थाना प्रभारी के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान अमिनेश द्विवेदी ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कई प्रभावी अभियान चलाए उनके नेतृत्व में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी,चोरी और अन्य गंभीर अपराधों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की गई।

16 जुलाई को नगर भ्रमण पर निकलेंगे भगवान जगन्नाथ

मैहर। भगवान श्री जगन्नाथ जी की भव्य रथ यात्रा 16जुलाई 2026,गुरुवार को नगर में श्रद्धा और उत्साह के साथ निकाली जाएगी। भगवान जगन्नाथ मंदिर के महंत श्री विजय महाराज ने समस्त नगर वासियों से रथ यात्रा में शामिल होकर धर्म लाभ लेने की अपील की है। रथ यात्रा का आयोजन बड़ा अखाड़ा, फलाहारी आश्रम के संत पूज्य 1008 श्री सीतावल्लभ शरण जी महाराज के सान्निध्य एवं महंत विजय महाराज के मार्गदर्शन में सकल हिंदू महासभा,मैहर के तत्वावधान में किया जाएगा।

शिक्षा में विघ्न उचित नहीं,जिला प्रशासन ले संज्ञानः प्रभात

मैहर। मैहर जिले के विद्यालय संदीपनी विद्यालय में विगत दो दिनों से अध्ययनरत हजारों छात्र उमस भरी गर्मी से परेशान है। इस संबंध में बताया जा रहो कि जो ठेकेदार निर्माण कार्य कर रहा था उसका बिजली का बिल बाकी है जिस कारण विभाग ने विद्युत विच्छेद कर दिया है। बिल ठेकेदार भुक्तान नहीं कर रहा तो सजा छात्रों को दी जा रही है यह उचित नहीं। इस विषय को लेकर प्रभात द्विवेदी का कहना है कि ठेकेदार यदि भुगतान नहीं दे रहा तो आप उसको जेल भेज दो।

सतना एवं मैहर जिले की दिशा की बैठक 17 जुलाई को

सतना। सतना एवं मैहर जिले की जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक सांसद गणेश सिंह की अध्यक्षता में 17 जुलाई 2026 को दोपहर 12 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष सतना में आयोजित की गई है। सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह ने संबंधित विभाग प्रमुख अधिकारियों को बैठक मे उपस्थित रहने के निर्देश दिये है।

जवाहर नवोदय विद्यालय रहिकवारा में कक्षा 6 वीं के लिये आवेदन 31 जुलाई तक

सतना। नवोदय विद्यालय समिति,शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशनुसार जवाहर नवोदय विद्यालय रहिकवारा में सतना एवं मैहर जिले के जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 6 वीं में प्रवेश के लिए होने वाली चयन परीक्षा सत्र 2027-28 के ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ हो चुके हैं,आवेदन की अंतिम तारीख 31 जुलाई 2026 है।

बुनियादी बदहाली पर फूटा व्यापारियों का गुस्सा, बैरिकेड्स तोड़े, नगर निगम का घेराव

चेंबर ऑफ कॉमर्स के 'शहर बंद' के ऐलान से मचा हड़कंप, महापौर और एडीएम के आश्वासन के बाद आंदोलन स्थगित

सतना। शहर की बदहाल सड़कों,जलभराव और दूषित पेयजल जैसी बुनियादी समस्याओं को लेकर मंगलवार को विंध्य चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के नेतृत्व में स्थानीय व्यापारियों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित व्यापारियों ने भारी संख्या में नगर निगम कार्यालय का घेराव कर उग्र प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस-प्रशासन के बीच तीखी नोकझोंक हुई।व्यापारियों का आक्रोश इस कदर था कि उन्होंने पुलिस द्वारा की गई मजबूत बैरिकेडिंग को तोड़ दिया और सीधे नगर निगम के मुख्य द्वार तक जा पहुंचे।

मांगें पूरी न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी

चेंबर के अध्यक्ष सतीश सुखेजा और महासचिव इंजी.मनोज कटारे के हस्ताक्षर युक्त 14 सूत्रीय ज्ञापन महापौर योगेश ताम्रकार और अपर कलेक्टर विकास सिंह को सौंपा गया। चेंबर के पदाधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि समस्याओं का शीघ्र और स्थायी समाधान नहीं हुआ,तो आने वाले दिनों में उग्र जनआंदोलन शुरू किया जाएगा।

प्रमुख 14 सूत्रीय मांगें और सुझाव

प्रमुख व्यापारिक मार्गों और कनेक्टिंग सड़कों का तत्काल व गुणवत्तापूर्ण निर्माण। नालों-नालियों की समयबद्ध सफाई और जल निकासी की स्थायी व्यवस्था। बाजारों से अवैध अतिक्रमण हटाकर यातायात सुगम करना और मल्टीलेवल पार्किंग विकसित करना। दूषित पानी की समस्या का निवारण,नियमित जलापूर्ति और दैनिक कचरा उठाना। बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को चालू करना,आवारा पशुओं पर रोक और व्यापारियों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए नगर निगम में एक हेल्प डेस्क की स्थापना।

'शहर बंद' के ऐलान से बैकफुट पर आया प्रशासन

घेराव के दौरान अधिकारियों द्वारा तत्काल ज्ञापन न लेने पर व्यापारियों का गुस्सा और भड़क गया। व्यापारियों ने निगम कमिश्नर पर संवेदनहीनता का आरोप लगाते हुए धरना शुरू कर दिया और तत्काल 'शहर बंद' का ऐलान कर दिया। कारोबार ठप होने की भनक लगते ही प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया। तनाव बढ़ता देख महापौर योगेश ताम्रकार स्वयं प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे। उन्होंने संवेदनशीलता दिखाते हुए व्यापारियों को शांत कराया और चेंबर के प्रतिनिधिमंडल के साथ विशेष बैठक कर सभी जायज मांगों को समय सीमा के भीतर पूरा करने का ठोस भरोसा दिलाया। महापौर के इस सकारात्मक आश्वासन के बाद व्यापारियों ने 'शहर बंद' के फैसले को फिलहाल स्थगित कर दिया।

मांग पत्र तैयार-

सड़कों की जर्जर हालत और जलभराव के कारण व्यापार,आवागमन और आम जनजीवन पूरी तरह ठप हो चुका है। विभिन्न संगठनों से मिली शिकायतों के आधार पर यह मांग पत्र तैयार किया गया है।

-सतीश सुखेजा,
अध्यक्ष,विंध्य चेंबर ऑफ कॉमर्स

आषाढ़ अमावस्या पर उमड़ा 2 लाख श्रद्धालुओं का महासंगम; बदइंतजामी से बढ़ी परेशानी

सतना। आषाढ़ अमावस्या के पावन अवसर पर धर्मनगरी चित्रकूट में आस्था का भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा। जिला प्रशासन के अनुसार,लगभग ढाई लाख श्रद्धालुओं ने भगवान कामतानाथ के दर्शन किए। सोमवार देर रात से ही श्रद्धालुओं का आगमन शुरू हो गया था। मंगलवार तड़के ब्रह्ममुहूर्त में श्रद्धालुओं ने मंदाकिनी नदी में आस्था की डुबकी लगाई। इसके बाद मत्यगजेंद्रनाथ महादेव और भगवान कामतानाथ के दर्शन कर कामदगिरि की परिक्रमा की। पूरा क्षेत्र 'जय श्रीराम' और 'जय कामतानाथ' के उद्घोष से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने हनुमान धारा,सती अनुसूया आश्रम और गुप्त गोदावरी जैसे प्रमुख स्थलों के भी दर्शन किए।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम

मेले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल तैनात रहा और नगर परिषद कंट्रोल रूम से लगातार निगरानी की जाती रही।

बुनियादी सुविधाओं का रहा भारी टोटा

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के अनुपात में पेयजल और चलित शौचालयों जैसी बुनियादी सुविधाएं नाकाफी साबित हुईं।भीषण उमस और लंबी कतारों के बीच पानी के लिए लोगों को भटकना पड़ा। पर्याप्त शौचालय न होने से विशेषकर महिला श्रद्धालुओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। नगर परिषद चित्रकूट के सीएमओ अंकित सोनी ने कहा कि परिषद द्वारा टैंकर और चलित शौचालय रखवाए जाते हैं। इस बार यदि कहीं कमी रही है,तो भविष्य में इसे सुधारा जाएगा और हर जगह बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित की जाएंगी।

बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर फिर छिड़ा विवाद

मैहर। जिले की बहिली पंचायत में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा स्थापना का मामला अब आंदोलन की ओर बढ़ता नजर आ रहा है। उलगुलान बिरसा फाउंडेशन और आदिवासी समाज ने प्रतिमा स्थापना की अनुमति की मांग को लेकर एसडीएम कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। एसडीएम के अनुपस्थित रहने पर ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंपा गया। समाज ने साफ कहा है कि यदि प्रशासन ने जल्द निर्णय नहीं लिया तो 28 जुलाई से मैहर कलेक्ट्रेट के सामने आमरण अनशन शुरू किया जाएगा। आदिवासी समाज के अनुसार 27 जून 2026 को ग्राम बहिली में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा स्थापित की गई थी। आरोप है कि 1 जुलाई को वन विभाग ने प्रतिमा हटाकर अपने डिपो में रख ली।

हरकत में आया यातायात विभाग, ट्रक पर 5000 की चालानी कार्रवाई

मैहर। नो इंट्री की खबर मिलते ही यातायात विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सरला नगर रोड स्थित पूजा ट्रेडर्स के सामने नो एंट्री क्षेत्र में खड़े 12 चक्का ट्रक पर कार्रवाई की। ट्रक से सरिया की अनलोडिंग की जा रही थी,जिससे यातायात प्रभावित हो रहा था यातायात प्रभारी विक्रम पाठक के निर्देश पर यातायात टीम मौके पर पहुंची और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर ट्रक चालक के विरुद्ध? 5000 का चालान किया। साथ ही चालक को सख्त चेतावनी दी गई कि भविष्य में नो एंट्री क्षेत्र में दोबारा ट्रक लेकर प्रवेश न करे। अन्यथा और कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी स्थानीय लोगों ने इस कार्रवाई का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि भविष्य में भी यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर इसी तरह सख्ती जारी रहेगी,ताकि शहर में यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

विधायक ने चिकित्सा सुविधाओं को लेकर स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ला से की मुलाकात

मैहर।

आज मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी भोपाल प्रवास के दौरान प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला से आत्मीय भेंट कर मैहर विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक संवाद किया। मैहर क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हों,इस उद्देश्य से स्वास्थ्य सेवाओं के विकास,आवश्यक संसाधनों एवं जनहित से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। विश्वास है कि मंत्री के मार्गदर्शन एवं प्रदेश सरकार के सहयोग से मैहर विधानसभा में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में सकारात्मक कदम उठाए जाएंगे।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 201 आवेदकों की समस्यायें

सतना।

मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर डॉ.सतीश कुमार एस ने सतना जिले के विभिन्न अंचलों से पहुंचे 201आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए।जनसुनवाई के दौरान ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से आए आवेदकों ने भूमि विवाद,राजस्व रिकॉर्ड सुधार,सिंचाई,बिजली,पानी,सड़क निर्माण,पेंशन,छात्रवृत्ति,आवास योजना तथा अन्य लोक कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी शिकायतें प्रस्तुत की। कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लिया और संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा के भीतर समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर संदीप परस्ते,एसडीएम एलआर जांगडे द्वारा भी आवेदकों की समस्याएं सुनी गई।

'कैच द रैन' अभियान के तहत जल संरक्षण के किये गये प्रभावी प्रयास

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

वर्षा जल संचयन एवं भू-जल पुनर्भरण को बढ़ावा देने के "कैच द रैन – व्हेयर इट फाल्स, व्हेन इट फाल्स" थीम के अंतर्गत नगर परिषद कैमोर द्वारा सार्थक और योजनाबद्ध प्रयास किए गए हैं। नगर निकाय क्षेत्र में जल संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए चेक डैम निर्माण, शासकीय भवनों एवं सार्वजनिक शौचालयों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं की स्थापना, साथ ही हैंडपंप, कुओं एवं नलकूप (ट्यूबवेल) के लिए रिचार्ज पिट्स विकसित किए गए हैं। नगर परिषद द्वारा हाल ही में शिवा नगर में ग्रे वॉटर ट्रीटमेंट फैसिलिटी भी स्थापित की गई है, जिसके माध्यम से उपयोग किए गए जल का उपचार कर पुनः उपयोग सुनिश्चित किया जा रहा है। इससे न केवल जल संसाधनों का संरक्षण हो रहा है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी सकारात्मक पहल देखने को मिल रही है। नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती पलक नमित ग्रोवर ने कहा कि जल संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और जनभागीदारी के बिना इस लक्ष्य को प्राप्त करना संभव नहीं है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे वर्षा जल संचयन के उपाय अपनाकर इस अभियान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। उपाध्यक्ष संतोष केवट ने बताया कि "कैच द रैन" अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जन-जागरूकता का सशक्त माध्यम है। उन्होंने नगरवासियों से अपने घरों, संस्थानों और प्रतिष्ठानों में जल संरक्षण उपाय अपनाने का आग्रह किया, जिससे भविष्य में जल संकट से बचा जा सके।

सीईओ ने विद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियों का लिया जायजा, मध्यान्ह भोजन की परखी गुणवत्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

सोमवार को जिले की शालाओं में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों एवं आवश्यक व्यवस्थाओं का जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर सहित जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों ने अपने-अपने विकासखंड क्षेत्र के अंतर्गत विद्यालयों का औचक निरीक्षण कर जायजा लिया। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर आशीष तिवारी ने शिक्षा की गुणवत्ता और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओ को सुदृढ़ करने अधिकारियों को विद्यालयों के सतत निरीक्षण करने निर्देश दिए हैं। इसी तारतम्य में जिला पंचायत सीईओ सुश्री कौर और समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को विद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण कर वस्तु स्थिति का आकलन किया। जिला पंचायत सीईओ सुश्री कौर ने हाईस्कूल चाका और कुठला का आकस्मिक निरीक्षण कर विद्यालय में संचालित गतिविधियों का सूक्ष्म अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षकों की उपस्थिति का हमारे शिक्षक एप पर अवलोकन किया। सुश्री कौर ने शिक्षकों और छात्र-छात्राओं से संवाद कर शैक्षणिक गतिविधियों एवं व्यवस्थाओं की जानकारी ली एवं शिक्षकों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने मध्यान्ह भोजन चखकर स्वाद लिया और गुणवत्ता परखी। उन्होंने स्टोर रूम पहुंचकर भोजन में प्रयुक्त होने वाली सामग्री को देखा। उन्होंने साफ सफाई हेतु आवश्यक निर्देश दिए। जनपद पंचायत कटनी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रदीप सिंह ने ग्राम चनेहटी, बहोरीबंद के सीईओ अभिषेक कुमार झा ने रैपुरा, इमलिया, पटी कला, पटोरी, गोरहा की प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला, ढीमरखेड़ा के सीईओ यजुवेंद्र कोरी ने झिन्ना पिपरिया और खमरिया, विजयराघवगढ़ के सीईओ ब्रतेश जैन ने कांटी, रीठी के सीईओ राजेश नरेंद्र सिंह ने शासकीय माध्यमिक शाला देवगांव,माध्यमिक एवं प्राथमिक शाला जमुनिया,माध्यमिक शाला सैदा, प्राथमिक शाला मडीया,हाई स्कूल और माध्यमिक शाला हरद्वारा एवं अन्य ग्राम पंचायतों की शालाओं में पहुंच कर शैक्षणिक गतिविधियों और अन्य व्यवस्थाओं का सूक्ष्म अवलोकन किया।

खबर संक्षेप

बेटी की चाहत में दर-दर भटक रही विधवा महिला

थाना अमानगंज पुलिस की घोर लापरवाही हुई उजागर

नाबालिक बेटी को पुलिस ने आरोपी के हवाले किया

अमानगंज। अमानगंज की एक बेवा महिला अपनी नाबालिग बेटी को लेकर न्याय की गुहार लगा रही है। हाथ में जन्म प्रमाण पत्र है, दूसरी ओर विद्यालय के अभिलेख हैं। दोनों में उम्र को लेकर कथित विरोधाभास बताया जा रहा है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब उम्र को लेकर विवाद था, तब पुलिस ने किस आधार पर अंतिम निर्णय लिया। महिला का आरोप है कि उसने लगातार पुलिस को? बताया कि उसकी पुत्री नाबालिग है और इसके समर्थन में जन्म प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत किया, लेकिन उसकी बात पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। यदि यह आरोप सही हैं, तो यह जांच का विषय है कि उपलब्ध दस्तावेजों का सत्यापन किस प्रकार किया गया। इस मामले ने पुलिस की प्रक्रिया पर कई प्रश्न खड़े कर दिए हैं। यदि किसी प्रकरण में दो अलग-अलग दस्तावेज अलग-अलग आयु बताते हों, तो क्या संबंधित विभागों से सत्यापन कराया गया? क्या सक्षम अधिकारी से आयु संबंधी स्पष्ट राय ली गई? क्या सभी उपलब्ध तथ्यों का परीक्षण करने के बाद ही आगे की कार्रवाई की गई। एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में पुलिस की प्रत्येक कार्रवाई कानून के दायरे में और पूरी पारदर्शिता के साथ होना आवश्यक है। ऐसे मामलों में छोटी-सी प्रक्रियागत चूक भी पीड़ित पक्ष का न्याय व्यवस्था पर भरोसा कमजोर कर सकती है। इसलिए आवश्यक है कि पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच हो और यदि किसी स्तर पर लापरवाही या प्रक्रिया का पालन नहीं हुआ है तो उसकी जिम्मेदारी तय की जाए। फिलहाल महिला ने पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायत देकर निष्पक्ष जांच की मांग की है। अब यह जांच ही स्पष्ट करेगी कि महिला के आरोपों में कितना तथ्य है और क्या पुलिस की कार्रवाई निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप थी।

ड्रिप और स्प्रिंकलर सिस्टम के लिए आवेदन शुरू

कटनी। जिले के किसानों के लिए आधुनिक सिंचाई सुविधाओं का लाभ लेने का सुनहरा अवसर उपलब्ध हुआ है। कृषि विभाग द्वारा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना एवं प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत ड्रिप सिस्टम, सप्रिंकलर एवं मिनी सप्रिंकलर हेतु आवेदन प्रक्रिया 13 जुलाई से प्रारंभ कर दी गई है। कृषि विभाग ने जिले के सभी किसानों को सूचित किया है कि इच्छुक कृषक ई-कृषि अनुदान पोर्टल mpdage.org पर निर्धारित पात्रता एवं आवश्यक दस्तावेजों के साथ समय-सीमा के भीतर आवेदन कर सकते हैं। इन योजनाओं का मुख्य उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ते हुए सिंचाई सुविधाओं का विस्तार करना और कृषि उत्पादन में वृद्धि सुनिश्चित करना है। आवेदन प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए किसान अपने नजदीकी कृषि कार्यालय, कृषि विस्तार अधिकारी या संबंधित विकासखंड के कृषि कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

हादसे में दो युवक घायल

कटनी। कुठला थाना अंतर्गत चाका बाईपास के आगे एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने मोटर साइकिल को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार मुकुल ठाकुर 28 निवासी भट्टा मोहल्ल, और सौरभ वंशकार 23, निवासी गड्ढा टोला घायल हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

10 करोड़ नशा मुक्ति अभियान का शुभारंभ

6 से 20 अगस्त तक नशा मुक्ति प्रतिज्ञा अभियान के बारे में हुई विस्तार से चर्चा

पन्ना। ब्रह्माकुमारी विद्यालय द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 10 करोड़ नशा मुक्ति प्रतिज्ञा महा अभियान के बारे में जानकारी देते हुए ब्रह्माकुमारी बहन ने कहा कि दादी प्रकाशमणि जी के पुण्य स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में 6 अगस्त से 20 अगस्त तक देशव्यापी पखवाड़ा 10 करोड़ नशा मुक्ति प्रतिज्ञा अभियान चलाया जाएगा उन्होंने जानकारी देती हुई कहा ब्रह्माकुमारी संस्थान एवं भारत सरकार की सामाजिक न्याय विभाग के साथ यह कार्य कर रहा है आपने अभियान का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों में स्वस्थ मूल्यनिष्ठ, नशा मुक्त जीवन शैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा जन भागीदारी के माध्यम से सकारात्मक सामाजिक वातावरण का निर्माण करना,अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों युवा, शिक्षकों,महिलाओं,प्रशासनिक अधिकारियों एवं सामाजिक संगठनों को जोड़ने का प्रयास किया जाएगा यह अभियान स्वस्थ जीवन शैली एवं युवा सशक्तिकरण के माध्यम से नशा मुक्ति तथा विकसित भारत के राष्ट्रीय संकल्प को सशक्त बनाने का एक सकारात्मक प्रयास है। 10 करोड़ प्रतिज्ञा महा अभियान का उद्देश्य केवल प्रतिज्ञा दिलाना नहीं बल्कि स्वास्थ्य मूल्य निष्ठ एवं नशा मुक्त जीवन शैली के प्रति जन जागरण सामाजिक परिवर्तन को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम में पन्ना जिले के ब्रह्माकुमारी केंद्र से जुड़े हुए देवेंद्र नगर,पवई, अमानगंज, अजयगढ़, पढेरी, गनौर, पन्ना आदि सभी जगह के भाई बहन उपस्थित रहे सभी को बहन जी ने अभियान की जानकारी दी एवं सेवा करने के लिए मार्गदर्शन दिया एवं कहां अभी से स्कूल,कॉलेज,अन्य जगह संपर्क करके सभी को जानकारी देकर अभियान को सफल बनाना है,सभी भाई बहनों ने अपने-अपने क्षेत्र की स्कूल, कॉलेज एवं अन्य जगह की सेवाये करने की प्रतिज्ञा ली।

नगर परिषद गुनौर के कार्यालय भवन निर्माण पर विवाद पार्षदों ने मोर्चा खोल स्थल परिवर्तन की मांग की

गुनौर - नगर परिषद गुनौर में कार्यालय भवन निर्माण के लिए स्थल चयन को लेकर एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। नगर परिषद के समस्त पार्षदों ने पूर्व अध्यक्ष और मुख्य नगरपालिका अधिकारी (सीएमओ) पर मनमानी का आरोप लगाते हुए अनुविभागीय अधिकारी (एसडीओ/एसडीएम) राजस्व, गुनौर को एक शिकायती पत्र सौंपकर भवन निर्माण स्थल को बदलने की मांग की है। पार्षदों का आरोप है कि भवन निर्माण के लिए पूर्व में जिस जगह का चयन किया गया था, वह वन भूमि (फॉरेस्ट लैंड) निकली। इसके बाद अब जिस नई जगह पर निर्माण की कोशिश की जा रही है, वह प्राचीन मंदिर के तालाब का डूब क्षेत्र है।

वन विभाग पहले ही निरस्त कर चुका है पुराना आवंटन-

दस्तावेजों के अनुसार, पूर्व में नगर परिषद गुनौर के कार्यालय भवन के लिए ग्राम सिली (तहसील गुनौर, कटन मार्ग) पर स्थित 'खसरा क्रमांक 1014/12 अंश भाग (रकबा 1.00 हेक्टेयर)' भूमि आवंटित की गई थी। इस पर आपत्ति जताते हुए कार्यालय वनमण्डलाधिकारी, दक्षिण वनमण्डल पन्ना द्वारा 27 नवंबर 2025 को कलेक्टर पन्ना को एक पत्र (क्रमांक/मा.चि./2025/5002) लिखा गया था। वन विभाग ने स्पष्ट किया कि उक्त भूमि श्संरक्षित वन खण्ड गुनौरश् के अंतर्गत आती है, जो भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 4 के तहत वन भूमि है। इसके बाद वन विभाग ने कलेक्टर से इस आवंटन आदेश को निरस्त करने का आग्रह किया था।

नई चिन्हित भूमि पर पार्षदों की गंभीर आपत्तियां-

पूर्व आवंटन निरस्त होने के बाद, नगर परिषद द्वारा पुनः उसी वन भूमि से लगी हुई राजस्व भूमि (खसरा 1014/12) पर कार्यालय भवन निर्माण के लिए स्थल चिन्हित किया गया, जिसका 14 फरवरी 2026 को राजस्व अधिकारियों द्वारा निरीक्षण भी किया गया। लेकिन पार्षदों ने इस नई जगह पर निम्नलिखित गंभीर सवाल उठाए हैं। 'प्राचीन तालाब और मंदिर को खतरा' चिन्हित स्थल 'प्राचीन बालाजी सरकार मंदिर तालाब' के डूब क्षेत्र और तालाब के जल निकासी के श्वेस्ट वियरश से लगा हुआ है। यदि यहाँ मिट्टी का भराव (फिलिंग) कर भवन बनाया गया, तो तालाब को क्षति पहुँचेगी और जल भराव क्षेत्र कम होने से तालाब की मेढ़ टूटने का खतरा रहेगा।

'रास्ता विहीन और वन भूमि का उल्लंघन-'

यह स्थल मुख्य मार्ग से लगभग 1 किमी से दूर साकेत नगर कॉलोनी से हो कर सकरी गलियों से पहुंच मार्ग है इसके अलावा नगर परिषद के वाहनों के लिए पूरी तरह रास्ता विहीन है। यदि यहाँ नया रास्ता बनाया जाता है, तो वह भी उसी वन भूमि से होकर गुजरेगा जिसका आवंटन पहले ही निरस्त हो चुका है।

'पार्क और अमृत 2.0 योजना की जमीन'-

पार्षदों के अनुसार, कलेक्टर द्वारा नगर परिषद गुनौर में पार्क, ओवरहेड टैंक और श्अमृत 2.0 योजनाश के लिए जो भूमि आवंटित कर नक्शे में लाल स्याही से चिन्हित की गई है, यह स्थल उसी के अंतर्गत आता है। ऐसे में यहाँ भवन निर्माण के लिए पर्याप्त जगह नहीं है न ही नगर परिषद के वाहनो के पार्किंग की व्यवस्था है।

गहरी खाई और गलत डीपीआर-

यह स्थल कटन-गुनौर मार्ग के स्तर से करीब 10 से 12 फीट गहराई में है। पार्षदों का आरोप है कि तकनीकी अधिकारियों द्वारा जो प्राक्कलन (इस्टीमेट/क्च्) तैयार किया गया है, वह जमीन की इस वास्तविक स्थिति और तालाब भराव को ध्यान में रखकर नहीं बनाया गया है।

पार्षदों ने की निष्पक्ष जांच और बैठक बुलाने की मांग-

पार्षदों ने शिकायती पत्र में मांग की है कि गुनौर नगर परिषद क्षेत्र के अंतर्गत कई अन्य रिक्त और उपयुक्त राजस्व भूमियां उपलब्ध हैं। अतः सभी पार्षदों की उपस्थिति में बैठक आयोजित कर श्गोविंदधामश के पीछे या किसी अन्य सुरक्षित स्थान पर नए सिरे से प्रस्ताव पारित किया जाए। शिकायती पत्र में वार्ड क्रमांक 11, 04, 09, 05, 02, 01, और 06 सहित विभिन्न वार्डों के पार्षदों के हस्ताक्षर और सील मौजूद हैं। पार्षदों ने चेतावनी दी है कि यदि इस स्थल की वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों से निष्पक्ष जांच कराकर स्थल परिवर्तन नहीं किया गया, तो सरकारी धन का दुरुपयोग होगा और ऐतिहासिक धरोहर (तालाब) को भारी नुकसान पहुँचेगा।

जगदीश स्वामी की आज होगी धूप कपूर की आरती, कल निकलेगी रथ यात्रा

पवई। नगर स्थित ऐतिहासिक जगदीश स्वामी मंदिर में आज बुधवार को परंपरागत कपूर आरती भक्ति भाव के साथ संपन्न होगी। इस अवसर पर मंदिर के गर्भगृह में विराजमान भगवान जगदीश स्वामी, उनके भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की प्रतिमाओं की विधिवत धूप कपूर आरती की जाएगी । मंदिर के पुजारी अंशुल अनूप पाठक ने जानकारी देते हुए बताया कि परंपरा अनुसार स्नान के बाद भगवान को लू लग जाती है, जिससे वे 15 दिन तक विश्राम करते हैं। इस अवधि में मंदिर के पट बंद रहते हैं और भगवान की सेवा विशेष रूप से

'अनाशक्त अवस्था' में की जाती है।स्नान यात्रा के दौरान भगवान को मिट्टी के छिद्रयुक्त परंपरागत घड़ों से स्नान कराया जाता है। इस दौरान मंदिर परिसर में भक्तों की भारी भीड़ भगवान के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त करने पहुंचे। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान 15 दिन तक बीमार रहते है, जिन्हें 'अनासक्ति पर्व' कहा जाता है। इस दौरान मंदिर में विशेष सेवा और पूजन की जाती है। आगामी धार्मिक कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए पुजारी अंशुल पाठक ने बताया कि 14 जुलाई मंगलवार को पथ-प्रसाद का आयोजन किया गया , आज 15 जुलाई को धूप और कपूर आरती की जाएगी, 16 जुलाई को नगर में भव्य रथ यात्रा निकाली जाएगी। रथ यात्रा पवई की एक ऐतिहासिक परंपरा है, जिसमें भगवान जगदीश स्वामी रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण करते हैं। बैंड-बाजों, झांकियों, भक्तों की टोलियों और आकर्षक सजावट के बीच यह यात्रा धार्मिक आस्था और लोक परंपरा का संगम बन जाती है। इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में स्थानीय नागरिकों, युवाओं व सेवाभावी संस्थाओं द्वारा मिलकर उत्कृष्ट सहयोग प्रदान किया जाता है , स्थानीय प्रशासन पुलिस प्रशासन एवं नगर परिषद द्वारा भी व्यवस्था में सक्रिय भूमिका निभाई जाती है ।ओर सभी लोग रथयात्रा बारात में शामिल होते है।

भागवत भूषण उपाधि से अलंकृत हुए पं. रामदुलारे पाठक, पन्ना जिले का बढ़ाया मान

पवई। ज्योतिषाचार्य कालिदास राष्ट्रीय महर्षि ज्योतिष विज्ञान सम्मेलन का आयोजन 11 एवं 12 जुलाई को भोपाल में संपन्न हुआ। सम्मेलन में ज्योतिष महर्षि पं. अयोध्या प्रसाद गौतम एवं पंचांगकार पं. सूर्यकांत चतुर्वेदी की पुण्य स्मृति में आयोजित अलंकरण समारोह में जिले के वरिष्ठ भागवताचार्य पं. रामदुलारे पाठक को ष्भागवत भूषणष् की प्रतिष्ठित उपाधि से सम्मानित किया गया। यह सम्मान संत-महात्माओं, महामंडलेश्वरों तथा देशभर से आए विद्वानों की गरिमामयी उपस्थिति में प्रदान किया गया। पं. रामदुलारे पाठक को यह अलंकरण भागवत कथा एवं सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। पं. रामदुलारे पाठक के इस राष्ट्रीय सम्मान से पन्ना जिले का गौरव बढ़ा है। उनके सम्मानित होने पर जिले के धर्मप्रेमियों, सामाजिक संगठनों तथा शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

दिनदहाड़े सूने मकान में चोरी व चेन स्नैचिंग की घटना करने वाले दो कुख्यात चोर को सिमरिया रीवा से किया गया गिरफ्तार

पन्ना।

पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन में पन्ना पुलिस को बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। कोतवाली थाना क्षेत्र में सूने मकान में दिनदहाड़े चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले दो कुख्यात अंतरजिला चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी गया मशरूका एवं घटना में प्रयुक्त पल्सर मोटरसाइकिल बरामद की गई है। दिनांक 20.04.2026 को फरियादी पुष्पेन्द्र कुशवाहा निवासी सत्यम पैलेस के सामने,पन्ना थाना कोतवाली पन्ना उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह ग्राम झरकुआं में निजी क्लिनिक संचालित कर लोगों का उपचार करते हैं। दिनांक 19.04.2026 को प्रातः लगभग 10:00 बजे वह अपने मकान में ताला लगाकर क्लिनिक चले गए थे, जबकि उनकी पत्नी एक दिन पूर्व अपने मायके सतना गई थीं।

उसी दिन शाम लगभग 06:00 बजे उनकी पत्नी घर लौटी तो देखा कि मुख्य दरवाजा खुला हुआ था। सूचना मिलने पर फरियादी तत्काल अपने घर पहुंचे एवं डायल-112 को सूचना दी। घर के अंदर जाकर देखा तो पूरा सामान बिखरा पड़ा था तथा स्टोर रूम में रखे बड़े बक्से का ताला टूटा हुआ था। बक्से में रखे बैग से सोने-चांदी के आभूषण एवं नगदी चोरी हो चुकी थी। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली पन्ना में अपराध क्रमांक 281/2026 धारा 331(3), 305(ए) बीएनएस-2023 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त मामले में पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना सुश्री वन्दना चौहान एवं एस.डी.ओ.पी. पन्ना एस.पी. सिंह बघेल के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम गठित की गई तथा तकनीकी सहायता हेतु साइबर सेल पन्ना को निर्देशित किया गया। गठित टीम द्वारा आरोपियों की तलाश-पतारसी प्रारंभ

की गई। विवेचना के दौरान 500 से अधिक सी.सी.टी.वी. कैमरों के फुटेज खंगाले गए। संभावित फुटेज आसपास के जिलों के साथ साझा किए गए तथा आरोपियों के संभावित आवागमन मार्ग का तकनीकी विश्लेषण एवं मैपिंग की गई। इसके फलस्वरूप आरोपियों की पहचान रीवा के आशीष उर्फ लाले कुशवाहा एवं सुनील कुशवाहा उर्फ ललवा के रूप में हुई। इसके उपरांत आरोपियों के संबंध में विस्तृत जानकारी एकत्रित की गई। आरोपियों के विभिन्न स्थानों पर छिपे होने की सूचनाएं प्राप्त होने पर उनकी गिरफ्तारी हेतु लगातार संभावित स्थानों पर दबिश दी गई। साइबर सेल से प्राप्त तकनीकी सहायता एवं मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना सेमरिया, जिला रीवा क्षेत्र से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त पल्सर मोटरसाइकिल बरामद की गई तथा चोरी गया मशरूका भी विधिवत जप्त किया गया।

गिरफ्तार मुख्य आरोपी-

आशीष उर्फ लाले कुशवाहा पिता भइयामणी कुशवाहा, उम्र 26 वर्ष, निवासी ग्राम पिपरा, थाना सेमरिया, जिला रीवा (म.प्र.)।, सुनील कुशवाहा उर्फ ललवा पिता स्व. श्री लालजी कुशवाहा, उम्र 30 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 07, कस्बा सिमरिया, थाना सेमरिया, जिला रीवा (म.प्र.)।, दोनों आरोपी कुख्यात चोरी के आरोपी हैं, जिनके विरुद्ध कटनी, रीवा, सतना, सीधी एवं अन्य जिलों में चोरी के दर्जनों अपराध पंजीबद्ध हैं। पूछताछ में यह तथ्य सामने आया कि आरोपी दिन के समय ऐसे सूने मकानों एवं प्रतिष्ठानों की रैकी करते थे। जिन स्थानों पर ताला लगा होता था, उन्हें चिन्हित कर अवसर मिलते ही दिनदहाड़े अथवा रात्रि में ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम देते थे।

पूछताछ में अन्य वारदातों का खुलासा-

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने पन्ना जिले में घटित कुल 05 वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया है, जिनमेंकृ

1. अपराध क्रमांक 67/2026, थाना कोतवाली, जिला पन्ना दृ ग्राम रमपुरा में एक ही रात में तीन मकानों के ताले तोड़कर सोने-चांदी के आभूषण, नगदी एवं अन्य सामान चोरी करने की घटना।

2. अपराध क्रमांक 84/2026, थाना कोतवाली, जिला पन्ना दृ ग्राम पुरुषोत्तमपुर स्थित किराना दुकान का ताला तोड़कर लगभग 35,000 नगद चोरी करने की घटना।

3. अपराध क्रमांक 242/2026, थाना कोतवाली, जिला पन्ना दृ डायमण्ड चौराहा, पन्ना के पास महिला के गले से सोने की चेन झपटकर ले जाने (चेन स्नैचिंग) की घटना।

4. अपराध क्रमांक 281/2026, थाना कोतवाली, जिला पन्ना दृ महाराजा कॉलोनी स्थित सूने मकान से लगभग 1.70 लाख मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण एवं नगदी चोरी करने की घटना।

5. अपराध क्रमांक 998/2025, थाना कोतवाली, जिला पन्ना दृ साइंस कॉलेज के पीछे स्थित शासकीय आवास का ताला तोड़कर गोदरेज लॉकर से सोने-चांदी के आभूषण चोरी करने की घटना।

आरोपियों के विरुद्ध कटनी, रीवा, सतना, सीधी सहित अन्य जिलों में भी चोरी के दर्जनों अपराध पंजीबद्ध हैं। अन्य घटनाओं के संबंध में भी आरोपियों से पूछताछ जारी है।

चोरी के आभूषण खरीदने वाले तीन आरोपियों को भी किया गिरफ्तार-

विवेचना के दौरान यह तथ्य सामने आया कि मुख्य आरोपी चोरी किए गए सोने-चांदी के आभूषणों को पहचान छिपाने एवं अवैध लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से विभिन्न सराफा व्यापारियों को बेच देते थे। पुलिस द्वारा तकनीकी साक्ष्यों एवं पूछताछ के आधार पर चोरी के आभूषण खरीदने वाले तीन आरोपियों की भी पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तार आरोपी-

1. प्रमोद उर्फ मामा सोनी पिता रामाधार सोनी, उम्र 60 वर्ष, निवासी बाबूपुर, थाना रामनगर, जिला सतना। 2. कपिल सोनी पिता श्री राजकुमार सोनी, उम्र 24 वर्ष, निवासी ग्राम हाटी, जिला सतना, हाल निवासी पचमठा फोर्ट रोड, जिला रीवा (म.प्र.)।

3. अरविन्द सोनी पिता शंकरलाल सोनी, उम्र 22 वर्ष, निवासी टिकुरिया मोहल्ला, थाना कोतवाली, जिला सतना (म.प्र.)। उक्त तीनों आरोपियों द्वारा चोरी के सोने-चांदी के आभूषण खरीदना पाया गया, जिसके संबंध में उनके विरुद्ध विधिसम्मत वैधानिक कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण में चोरी के आभूषणों की बरामदगी एवं अन्य संबंधित तथ्यों के संबंध में विस्तृत विवेचना जारी है।

जप्त सामग्री-

आरोपियों के कब्जे से 01 सोने का मंगलसूत्र, 01 सोने की अंगूठी, 01 सोने की वेंदी, नाक की कील, चाँदी की बिछिया 04 नग, संतान साते चूड़ी 04 नग, चाँदी की पायल 02 नग, चाँदी के सिक्का 02, 04 चाँदी के छल्ले कुल कीमती करीब 02 लाख रुपये, 01 सौर उर्जा की छतरी, 01 पीतल की गुण्डी, 01 मोबाइल फोन, नगदी 12500 रुपये एवं घटना मे मे प्रयुक्त मोटर सायकिल क्रमांक ङच19ङत5332 की गई जप्त ।

धार्मिक एवं पवित्र नगरी पन्ना में श्रीमद्भावगत कथा आरंभ के पहले हमारी संस्कृति के अनुसार कलश यात्रा का भव्य आयोजन होगा आज

पन्ना। पन्ना धार्मिक एवं पवित्र नगरी जानी ही जाती है वहीं पन्ना के श्री जुगुल किशोर यहां की जनता के प्राण है। वहीं पन्ना के राजा भी माने जाते है। पन्ना के श्री जुगुल किशोर भगवान यहां के धार्मिक आस्था को लेकर जहां लोगों में आपार श्रृद्धा है। इसके साथ-साथ पन्ना के श्री जुगुल किशोर मंदिर प्रांगण में जहां पन्ना विधायक एवं पूर्व मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह जी के प्रयासों के चलते एक भव्य धार्मिक संतों का समागम होने जा रहा है। वहीं 15 जुलाई आज से जहां श्रीमद भागवत कथा के आयोजन के पूर्व भव्य कलष यात्रा भी हमारी संस्कृति के अनुसार सम्पन्न होगी। वहीं कलष यात्रा के एक दिन पूर्व नगर में विषाल बाईक रैली भी निकाली गई। यह आयोजन पन्ना में सायद पहली बार इतने विराट रूप में कह सकते है। कहने को तो पन्ना की पहचान विष्व में हीरे से होती है। पर यहां के मंदिर भी हमारे आस्था व धार्मिक भावना को लेकर विषाल काय रूप में जो हमारे पन्ना स्टेट के पूर्व राजाओं के द्वारा बनवाये गये जहां यहां की जनता भगवान श्री जुगुल किषोर मंदिर

को लेकर अलग ही प्राण मानती है। धार्मिक आस्था का केन्द्र बिन्दु है। इसकी पहचान भी कहीं न कहीं समूची दुनिया में इस धार्मिक आयोजन से भी अलग छटा विखेरेगी। क्योंकि इस आयोजन में हमारे जाने माने प्रख्यात संत जिनकी दर्षन मात्र से हमारे भाग्य को लेकर धार्मिक दिषा के लिए जानी जाती है। वहीं जिस तरह से राम चरित्र मानस में उल्लेखित है। प्रथम भक्ति संतन कर संगा इसी तरह यहां इस आयोजन में हमारे पूर्व मंत्री पन्ना विधायक जिनके अथक प्रयासों से संतों का समागम सतसंग के रूप में जाना जायेगा। वहीं भव्य श्रीमद भागवत कथा भी जो होने जा रही है वह भी हमारे ऐसे पूज्य स्वामी राजेन्द्र दास जी महाराज के श्रीमुख से भागवत कथा जो हमारे आराध्य देव पन्ना के श्री जुगुल किषोर जो यहां की जनता के प्राण है। उनके प्रांगण में धार्मिक आस्था के साथ अमृत वाणी बहेगी। जिसके सुनने मात्र से जीवन कृतार्थ होगा। वहीं इस समय गुरूपूर्णिमा को लेकर भी भारी उत्साह तथा रथ यात्रा का समय पन्ना में इस समय धर्म की गंगा बहेगी। तो यह कहना अतिष्योक्ति नहीं 15 जुलाई से प्रारंभ होने जा रही भागवत कथा को लेकर नगर में उत्साह भी जाना जा रहा है। उसी को लेकर आज 14 जुलाई को भव्य बाईक रैली भी सम्पन्न हुई वहीं आज 15 जुलाई को भव्य कलष यात्रा होगी सम्पन्न।

सीएमओ शशि कपूर गढ़पाले राज्य नगरीय प्रशासनिक सेवा के प्रथम श्रेणी अधिकारी पद पर पदोन्नत

पन्ना। मध्यप्रदेश शासन के नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार परियोजना अधिकारी (शहरी विकास) एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) गुनौर एवं अमानगंज शशि कपूर गढ़पाले को राज्य नगरीय प्रशासनिक सेवा के प्रथम श्रेणी (क श्रेणी) अधिकारी के पद पर पदोन्नति प्रदान की गई है। श्री गढ़पाले वर्तमान में गुनौर एवं अमानगंज नगरीय निकायों में परियोजना अधिकारी (शहरी विकास) एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी के दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं। पदोन्नति के साथ उन्हें राज्य नगरीय प्रशासनिक सेवा के प्रथम श्रेणी अधिकारी का दर्जा प्राप्त हुआ है। पदोन्नति की जानकारी मिलने के बाद जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों, सामाजिक संगठनों तथा शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मामले की जानकारी सोमवार की सुबह 11रू00 बजे प्राप्त हुई।

खबर संक्षेप

अमावस्या पर मतंगेश्वर महादेव मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब, हजारों श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

खजुराहो। अमावस्या के पावन अवसर पर विश्व प्रसिद्ध खजुराहो स्थित चंदेलकालीन मतंगेश्वर महादेव मंदिर में मंगलवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही मंदिर परिसर में दर्शन और पूजन के लिए लंबी कतारें लग गईं। खजुराहो सहित पूरे बुंदेलखंड क्षेत्र से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान मतंगेश्वर महादेव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर जलाभिषेक किया तथा भांग, धतूरा, बेलपत्र, शमी पत्र और पुष्प अर्पित कर सुख-समृद्धि की कामना की। कई श्रद्धालुओं ने शिवसागर तालाब में स्नान करने के बाद मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का अभिषेक किया। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों से आई महिलाओं ने बुंदेलखंड की पारंपरिक लमटेरा लोकगीत गाते हुए मंदिर पहुंचकर धार्मिक आस्था का अनूठा स्वरूप प्रस्तुत किया। अमावस्या के अवसर पर मंदिर परिसर के बाहर पारंपरिक मेले का भी आयोजन किया गया, जहां श्रद्धालुओं और पर्यटकों ने खरीदारी का आनंद लिया। अत्यधिक भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा और व्यवस्थाओं के व्यापक इंतजाम किए थे। एसडीओपी मनमोहन बघेल और थाना प्रभारी नंदकिशोर सोलंकी के नेतृत्व में मंदिर परिसर एवं घाटों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा। वहीं नगर परिषद अध्यक्ष अरुण कुमार उर्फ पप्पू अवस्थी और सीएमओ बसंत चतुर्वेदी ने व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी की, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा।

उल्लेखनीय है कि 9वीं शताब्दी में निर्मित मतंगेश्वर महादेव मंदिर अपने लगभग 18 फीट ऊंचे शिवलिंग के लिए प्रसिद्ध है। धार्मिक मान्यता है कि मंदिर का निर्माण एक चमत्कारी मणि पर हुआ था, जिसे पांडवों के ज्येष्ठ युधिष्ठिर ने मतंग ऋषि को दान स्वरूप दिया था। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि वह दिव्य मणि आज भी शिवलिंग के नीचे विद्यमान है।

तालाब को पाटने की थी तैयारी, ग्रामीणों के विरोध से लौटी जेसीबी

कटनी। जनपद पंचायत की मझगवा पंचायत के पीछे स्थित लगभग 40 वर्ष पुराने तालाब को पाटने की कथित कोशिश को लेकर रात गांव में हंगामे की स्थिति बन गई। ग्रामीणों के अनुसार रात करीब आठ से दस बजे के बीच कुछ लोग जेसीबी मशीन लेकर तालाब में मिट्टी डालने पहुंचे थे। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और तालाब पाटे जाने का विरोध शुरू कर दिया। ग्रामीणों के विरोध के चलते जेसीबी मशीन और मौके पर मौजूद लोगों को वापस लौटना पड़ा। ग्रामीणों का कहना है कि यह तालाब वर्षों पुराना है और गांव के लोग इसके पानी का उपयोग करते हैं। उनका आरोप है कि कुछ लोग तालाब को अपनी निजी भूमि बताकर उसे पाटने का प्रयास कर रहे थे। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की जांच कर तालाब को सुरक्षित रखने की मांग की है। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है।

अलग-अलग स्थानों में मारपीट की हुई घटनाएं

कटनी। कोतवाली थाना अंतर्गत कैलवारा खुर्द में एक महिला के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार प्रार्थिया आरती राजपाल 37 वर्ष ने शिकायत दर्ज कराई है कि राजेश राजपाल और सरोज राजपाल ने उनके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। इसी तरह माधवनगर थाना के ग्राम लखापतेरी में दो पक्षों के बीच मारपीट हुई। पुलिस के अनुसार पहले पक्ष से ईश्वरदीन यादव 44 वर्ष ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि आरोपी प्रदीप यादव और धीरज यादव ने मां-बहन की गंदी-गंदी गालियां देते हुए उनके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मामला दर्ज किया है। इसी विवाद में दूसरे पक्ष से धीरज यादव 56 वर्ष ने ईश्वरदीन यादव और राजन यादव के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

जमीन नहीं बेची तो बरसी लाठियां, चली गोली

गोली चली, डंडे बरसे... पीछा होते ही गाड़ियां छोड़कर भागे शालिगराम और साथी!

छतरपुर।

जिले क़े थाना राजनगर के अंतर्गत ग्राम कोड़ा में कुशवाहा परिवार द्वारा अपनी जमीन ना बेचने पर बागेश्वरधाम पीठाधीश्वर के छोटे भाई शालिगराम गर्ग और उनके साथियों की गुडागर्दी मंगलवार की दोपहर खुलकर देखने को मिली। चार पहिया वाहनों से पहुंचे शालिगराम गर्ग और उनके साथियों ने किसान मोतीलाल कुशवाहा को जमीन बेचने के लिए दबाव बनाया, लेकिन मोतीलाल कुशवाहा अपनी जमीन बेचने के लिए तैयार नही था। लेकिन शालिगराम गर्ग द्वारा उस पर जबरन दबाव बनाया जा रहा था जब मोतीलाल कुशवाहा ने विरोध किया, तो शालिगराम गर्ग और उसके साथियों ने डड़े से सिर में प्रहार किया जिससे वह घायल हो गया और पिस्टल से 3-4 राउण्ड गोलियां भी चलाई। गोली मोतीलाल कुशवाहा के पेट को छूती हुई निकल गई। गोली चलाने और डंडे से मारपीट की घटना के बाद कुशवाहा परिवार के लोगों ने शालिगराम गर्ग और उसके साथियों का पीछा किया तो चारों लोग जान बचाकर काफी दूर तक भागे। भागने के दौरान आरोपीगण वाहन भी छोड़ गए

जिसमें बैठकर ग्राम कोड़ा गांव पहुंचे थे। घायल अवस्था में मोतीलाल कुशवाहा को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया और पुलिस मामले की जांच पड़ताल करने में जुट गई है। पुलिस शालिगराम गर्ग के पूर्व के मामलों की तरह इस मामले को भी हल्के में लेकर रफादफा कर देगी। वहीं घायल मोतीलाल कुशवाहा के छोटे भाई अमन कुशवाहा ने आरोप लगाया कि बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर का भाई शालिगराम गर्ग उनकी जमीन जबरन हड़पना चाहता है। मंगलवार को भी वह चार लोगों के साथ आया और डंडे से मारपीट करते हुए पिस्टल से गोली चलाई, गोली कान के पास से पेट को छूती हुई निकल गई। आपको बता दें कि बागेश्वर धाम सहित पूरे क्षेत्र में शालिगराम गर्ग का काफी आतंक बढा हुआ है।

पूर्व में उनके द्वारा एक शादी समारोह में पहुंचकर कट्टा लहराया था जिसका एक बीडियो भी बायरल हुआ था लेकिन पुलिस ने किसी के दबाव में आकर कट्टे को टॉर्च में तब्दील कर दिया था। अहिरवार परिवार पर दबाव बनाया जा रहा था कि वह अपनी बेटी की शादी सामूहिक विवाह में करे लेकिन अहिरवार परिवार इसके लिए तैयार नही था तभी अहिरवार परिवार के बेटी के शादी समारोह में पहुंचकर शालिगराम गर्ग ने कट्टा लहराया था। इस मामलें में पुष्टि करने के लिए राजनगर थाना प्रभारी अतुल झा के मोबाईल नम्बर पर कई बार संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन जनाब ने अपना मोबाईल रिसीव नहीं किया, जब सरवई में थाना प्रभारी रहे, तब भी उनके द्वारा फोन रिसीव नहीं किया जाता रहा और सरवई क्षेत्र में अबैध बसूली के लिए भी वह चर्चाओं में बने रहे।

इनका कहना है -

पुराने विवाद के चलते राजनगर थाना के कोड़ा गांव में कुशवाहा परिवार के साथ मारपीट एवं गोली चलने की घटना हुई है। जिसमें घायल को अस्पताल भर्ती कराया गया है। ताकि उसको प्रोपर ईलाज मिल सके, घायल का एक्स-रे भी कराया गया है। साथ ही एसडीओपी खजुराहो को मामले की जांच के लिए भेजा गया है,अभी इस मामले में पीड़ित पक्ष के अनुसार शालिगराम गर्ग, सतीश, आशीष और एक अन्य के नाम मारपीट एवं गोली चलाने की घटना में आए है। मामले में सभी बिन्दुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है और जल्द ही मामला दर्ज किया जाएगा।

रजत सकलेचा
पुलिस अधीक्षक, छतरपुर

डुमरा रेलवे ओवरब्रिज निर्माण में देरी से बंद हुआ मुख्य मार्ग

आक्रोशित क्षेत्रवासियों ने कलेक्टर को आवेदन सौंपकर दी आंदोलन की चेतावनी

छतरपुर। लवकुशनगर-छतरपुर मुख्य मार्ग पर स्थित डुमरा में बन रहे रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण कार्य में हो रही घोर लापरवाही और अत्यधिक देरी को लेकर क्षेत्रवासियों का आक्रोश फूट पड़ा है। इस संबंध में मंगलवार को जिला कलेक्टर को एक शिकायती पत्र सौंपकर जनसमस्याओं के तत्काल समाधान की मांग की गई है। सौंपे गए पत्र के अनुसार, निर्माण एजेंसी और संबंधित विभागों की उदासीनता के कारण तय समय सीमा बीत जाने के बाद भी ओवरब्रिज का कार्य अधूरा पड़ा है, जिसके चलते इस मुख्य मार्ग को लगभग पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। मार्ग अवरुद्ध होने से रोजाना हजारों लोगों का आवागमन बाधित हो रहा है, स्कूली छात्र-छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और आपातकालीन स्थिति में गंभीर मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाना भी मुश्किल हो गया है। इसके साथ ही सुगम रास्ता न होने से स्थानीय कृषि कार्य भी ठप होने की कगार पर पहुंच गया है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि मुख्य मार्ग बंद करने के बावजूद जिम्मेदार विभागों द्वारा

न तो किसी सुरक्षित वैकल्पिक या अस्थाई रास्ते की व्यवस्था की गई है और न ही संभावित दुर्घटनाओं से बचाव के लिए कोई स्पष्ट चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं, जिससे आए दिन हादसों की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि अगले 7 दिनों के भीतर निर्माण कार्य में तेजी लाकर कार्य पूर्ण करने की निश्चित समय सीमा घोषित नहीं की गई और सुरक्षित वैकल्पिक मार्ग नहीं खोला गया, तो वे उग्र जन-आंदोलन और धरना-प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी।

केन-बेतवा के विस्थापितों का दर्द सुनने पहुंचे उमंग सिंघार..

विकास के नाम पर उजड़ रहे घर, विस्थापितों के बीच पहुंचे नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार

छतरपुर। जिले में रूँझ-मझगांय और केन-बेतवा लिंक परियोजना की भेंट चढ़ रहे विस्थापित परिवारों की चीख अब सत्ता के गलियारों को हिलाने लगी है। कुपी में अपनी पैतृक जमीनों, घने जंगलों और अपने वजूद को बचाने के लिए पिछले कई दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे प्रभावित किसानों, दलितों और आदिवासी आंदोलनकारियों के बीच आज मध्यप्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार पहुंचे।अनशन स्थल पर पहुंचकर न सिर्फ पीड़ितों के आंसू पोंछे और उनका दर्द साझा किया, बल्कि विस्थापन की नीति को लेकर भारतीय जनता पार्टी सरकार पर तीखा प्रहार भी किया। नेता प्रतिपक्ष के इस दौरे के बाद कुपी का यह अनशन स्थल अब एक बड़े राजनीतिक और सामाजिक आंदोलन के मुख्य केंद्र में तब्दील हो चुका है।

उमंग सिंघार ने अनशनकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह लड़ाई अब सिर्फ कुपी के मैदान तक ही सीमित नहीं रहने वाली है। उन्होंने भाजपा सरकार को आड़े हाथों लेते हुए तीन बड़े और कड़े संकल्प दोहराए। उन्होंने कहा कि बिना किसी मुकम्मल और पुख्ता व्यवस्था के गरीबों के आशियाने उजाडऩे वाली सरकार की इस तानाशाही नीति के खिलाफ अब आर-पार का संघर्ष छेड़ा जाएगा। विपक्ष के नेता के तौर पर वे विस्थापितों के इस बेहद गंभीर और संवेदनशील मुद्दे को सड़क से लेकर विधानसभा के भीतर तक पूरी राजनैतिक आक्रामकता के साथ उठाएंगे। जब तक परियोजना से प्रभावित एक-एक परिवार को उनका वाजिब हक, सही मुआवजा और सम्मानजनक पुनर्वास नहीं मिल जाता, तब तक हर स्तर पर यह आंदोलन अनवरत जारी रहेगा।

केन-बेतवा लिंक परियोजना के अंतर्गत भूमि अधिग्रहण और विस्थापन की मार झेल रहे। स्थानीय ग्रामीणों को जहां इस विकट लड़ाई में नेता प्रतिपक्ष के रूप में एक बेहद मजबूत और असरदार राजनैतिक आवाज मिल गई है, वहीं दूसरी ओर प्रदेश की भाजपा सरकार के लिए आने वाले दिनों में मुश्किलें बढऩे वाली हैं। क्षेत्र के विस्थापितों का आरोप है कि विकास के नाम पर उनके जल, जंगल और जमीन को छीना जा रहा है, लेकिन उनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं।

खेत पर कब्जे और मारपीट का आरोप, महिला ने जनसुनवाई में लगाई न्याय की गुहार

देवर समेत 25 लोगों पर हमला और कब्जे का आरोप, कलेक्टर-एसपी से कार्रवाई की मांग

छतरपुर। मंगलवार को कलेक्टर एवं एसपी की जनसुनवाई में शहर निवासी वंदना राजपूत ने अपने देवर, उसकी पत्नी, पुत्री तथा 20-25 अज्ञात लोगों पर खेत में जबरन कब्जा करने, मारपीट और धमकी देने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। दिए गए आवेदन में बताया गया कि ग्राम ढडारी स्थित उनके पति की कृषि भूमि रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के माध्यम से खरीदी गई है, जिस पर किसी अन्य का कोई अधिकार नहीं है।

युवक सचित राजपूत का आरोप है की जमीन विवाद के चलते कुछ लोगों ने उसके साथ मारपीट की जबकि एक महिला ने उसके विरुद्ध छेड़छाड़ का झूठा मामला भी दर्ज करवाया है मामले को लेकर उसने निष्पक्ष जांच की मांग की है हालांकि सिविल लाइन पुलिस ने मारपीट के

मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है तो वहीं युवक पर छेड़छाड़ का भी मामला दर्ज किया गया है। आवेदन के अनुसार 13 जुलाई की शाम आरोपित पक्ष 20-25 लोगों के साथ खेत पर पहुंचा और बटाईदार के साथ गाली-गलौज करने लगा। सूचना मिलने पर उनका पुत्र सचित राजपूत मौके पर पहुंचा, जहां उसके साथ मारपीट की गई और मोबाइल फोन तोड़ दिया गया। साथ ही खेत पर लगे सीसीटीवी कैमरे भी तोड़कर ले जाने का आरोप लगाया गया है। पीड़िता का कहना है कि घटना के बाद भी कई लोग खेत पर डटे हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके पति के साथ भी अभद्रता की गई और पूरे परिवार को जान से मारने तथा झूठे मामलों में फंसाने की धमकी दी जा रही है। पीड़िता ने पूर्व में की गई शिकायतों का उल्लेख करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की।

अस्वस्थ किसान के नाम पर बैंक खाता खुलवा कर किसान सम्मान निधि हड़पने का आरोप

छतरपुर। जिले के सटई थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कटारा निवासी रामप्रसाद पटेल ने प्रशासन से शिकायत करते हुए अपने मानसिक रूप से अस्वस्थ चाचा बच्चू पटेल के नाम पर कथित रूप से फर्जी तरीके से बैंक खाता खुलवाकर किसान सम्मान निधि की राशि हड़पने का आरोप लगाया है। शिकायत में मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा किसान सम्मान निधि की राशि वापस दिलाने की मांग की गई है।

शिकायतकर्ता के अनुसार, उनके चाचा बच्चू पटेल मानसिक रूप से अस्वस्थ हैं, जिसका लाभ उठाकर ग्राम कटारा निवासी रामगोपाल पाल ने वर्ष 2021 में उन्हें अपने साथ ले जाकर बैंक ऑफ बड़ौदा की सटई शाखा में उनके नाम से बैंक खाता खुलवा दिया। आरोप है कि मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण बच्चू

पटेल को इसकी जानकारी नहीं थी और परिवार को भी इसकी भनक नहीं लगी। शिकायतकर्ता का कहना है कि इसके बाद किसान सम्मान निधि की राशि का गलत तरीके से लाभ उठाया गया।

आवेदन में बैंक प्रबंधन की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं। शिकायतकर्ता का आरोप है कि मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्ति का खाता खोलने से पहले बैंक अधिकारियों को आवश्यक सत्यापन करना चाहिए था। उन्होंने बैंक प्रबंधक और संबंधित व्यक्ति की भूमिका की निष्पक्ष जांच कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल मामले में संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से शिकायत कर निष्पक्ष जांच कराने तथा यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई और किसान सम्मान निधि की राशि पीड़ित किसान को वापस दिलाने की मांग की गई है।

प्रेम प्रसंग में युवक की हत्या की आशंका, पीड़ित परिवार ने जनसुनवाई में लगाई न्याय की गुहार

छतरपुर। कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में ग्राम महेबा निवासी मोहन रैकवार ने अपने पुत्र रामजी रैकवार की संदिग्ध मौत के मामले में निष्पक्ष जांच और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए प्रशासन को आवेदन सौंपा। परिजनों का आरोप है कि प्रेम प्रसंग के चलते रामजी की सुनियोजित हत्या की गई है और मामले की गहन जांच कर दोषियों को कानून के दायरे में लाया जाए।

आवेदन के अनुसार, रामजी रैकवार 26 जून 2026 को लकड़ी काटने के लिए घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। काफी तलाश के बाद परिजनों ने ओरछा रोड थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई। दो दिन बाद 28 जून को पुलिस ने सूचना दी कि मातगुवां क्षेत्र के पास रेलवे ट्रैक पर एक युवक का शव मिला है। जिला अस्पताल में कपड़ों के आधार पर परिजनों ने शव की पहचान रामजी रैकवार के रूप में

की। पीड़ित परिवार का कहना है कि रामजी का गांव की एक युवती से प्रेम संबंध था, जिससे युवती के परिजन नाराज थे। इसी कारण उन्होंने हत्या की आशंका जताते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और संभावित आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल प्रशासन ने आवेदन प्राप्त कर मामले की जांच का आश्वासन दिया है।

प्रेम विवाह के विवाद में महिला की हत्या का खुलासा नौगांव पुलिस ने चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

नौगांव। नौगांव थाना पुलिस ने प्रेम विवाह को लेकर हुए विवाद में मारपीट के बाद महिला की मौत के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। वहीं, मामले में शामिल एक विधि विरुद्ध किशोरी को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त लाठी-डंडे भी बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार 11 जुलाई 2026 को कुम्हारटोली निवासी 55 वर्षीय हरकुँवर प्रजापति ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके बेटे और बद्री प्रजापति की बेटी द्वारा प्रेम विवाह कर लेने की रंजिश को लेकर बद्री प्रजापति, सोनू प्रजापति, रोशनी प्रजापति एवं एक विधि विरुद्ध किशोरी ने उसके साथ मारपीट की। गंभीर रूप से घायल हरकुँवर प्रजापति को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। इसके बाद प्रकरण में हत्या की धारा जोड़कर जांच शुरू की गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए नौगांव थाना पुलिस ने विशेष टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की। 14 जुलाई को मुखबिर की सूचना पर बद्री प्रजापति (42), सोनू प्रजापति (22), रोशनी प्रजापति (33) तथा एक विधि विरुद्ध किशोरी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान घटना में प्रयुक्त लाठी-डंडे बरामद किए गए। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जबकि किशोरी को किशोर न्याय बोर्ड भेजा गया। यह कार्रवाई एसडीओपी नौगांव के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक संजय राय के नेतृत्व में की गई। कार्रवाई में उपनिरीक्षक प्रमोद रोहित, उपनिरीक्षक मोहिनी शर्मा, सहायक उपनिरीक्षक एम.एल. प्रजापति सहित थाना स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पैतृक जमीन हड़पने के लिए विधवा महिला और पुत्री को दी जान से मारने की धमकी, पीड़िता ने लगाई एसपी से गुहार

छतरपुर। बमीठा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पुतरयान पंचायत झमटुल निवासी एक बेसहारा विधवा महिला ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आवेदन देकर गांव के ही दबंगों द्वारा पैतृक जमीन हड़पने, घर में बंधक बनाने और जान से मारने की धमकी देने की गंभीर शिकायत दर्ज कराई है. पीड़िता शान्ति पटेल पत्नी स्व. शंकरदीन पटेल ने बताया कि वर्ष 2023 में उनके पति की मृत्यु के बाद उनके हिस्से की जमीन उनके और उनकी पुत्री दीक्षा के नाम दर्ज हो चुकी है. आरोप है कि उनके ससुर स्वामीदीन पटेल के नाम की जमीन का कोई रजिस्टर्ड बंटवारा न होने का फायदा उठाकर विपक्षी हरिश्चंद्र पटेल, दीपेन्द्र पटेल, मनप्यारे पटेल, संतोष पटेल, भगीरथ

पटेल और आशाराम पटेल उनकी पैतृक भूमि को हड़पना चाहते हैं. पीड़िता के अनुसार, बीते 1 जुलाई 2026 से आरोपी लगातार उनके साथ गाली-गलौज कर रहे हैं और कट्टा व कुल्हाड़ी दिखाकर ट्रैक्टर चढ़ाने व जान से मारने की धमकी दे रहे हैं. दबंगों ने उनकी खेती में जबरन पालतू जानवर घुसाकर पूरी फसल नष्ट कर दी है. जब पीड़ित महिला के पक्ष में हल्के पटेल और वीरेन्द्र पटेल ट्रैक्टर से जमीन जोतने गए, तो आरोपियों ने पुलिस से मिलीभगत कर उल्टा उन्हीं के मद्दगारों पर झूठी एफआईआर दर्ज करा दी. इस खौफ के कारण पीड़िता और उसकी पुत्री पिछले एक सप्ताह से घर में ही कैद हैं और अत्यधिक डरी हुई हैं. पीड़िता ने एसपी सहित मानवाधिकार आयोग को पत्र भेजकर आरोपियों के खिलाफ शीघ्र आपराधिक मामला दर्ज करने और जान-माल की सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है।

टुटका प्राथमिक विद्यालय का हुआ विकास, बच्चों को मिली आधुनिक सुविधाएं

छतरपुर। झांसी-खजुराहो राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना का निर्माण कर रही वंटिस कंपनी ने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत ग्राम टुटका के शासकीय प्राथमिक विद्यालय का सौंदर्यीकरण कराया। विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान नवविकसित भवन का लोकार्पण किया गया तथा विद्यार्थियों को बैठने के लिए टेबल-कुर्सियां, स्वच्छ पेयजल के लिए आरओ सिस्टम और स्कूली बैग वितरित किए गए। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना और उनकी शिक्षा को प्रोत्साहित करना है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एनएचएआई पीआईयू के परियोजना निदेशक संदीप पाटीदार ने कहा कि शिक्षा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की पहली सीढ़ी है। एक सशक्त और शिक्षित समाज का निर्माण बेहतर शिक्षा से ही संभव है। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में स्वच्छ पेयजल, साफ-सफाई और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने से बच्चों को बेहतर माहौल मिलता है, जिससे वे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते हैं। वंटिस कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत शिक्षा, स्वास्थ्य और सामुदायिक विकास से जुड़े कार्य लगातार किए जा रहे हैं। विद्यालयों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का वातावरण देना कंपनी की प्राथमिकताओं में शामिल है। कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ, ग्रामीणजन, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

पीएमएफएमई योजना में फर्जीवाड़ा: आइसक्रीम फैक्ट्री सिर्फ कागजों में बनाई, 31.50 लाख का लोन

हड़प गए रकम, भोपाल में हुई शिकायत, रीवा ईओडब्ल्यू ने 5 पर दर्ज किया मामला

रीवा।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन (पीएमएफएमई) योजना के तहत आइसक्रीम फैक्ट्री स्थापित करने के नाम पर 31.50 लाख रुपए का बैंक लोन लेने और सरकारी सब्सिडी हासिल करने के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार करने का मामला सामने आया है। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) रीवा ने शिकायत की जांच के बाद पांच लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी और आपराधिक षड्यंत्र का मामला दर्ज किया है बता दे कागजों में आइसक्रीम फैक्ट्री खड़ी कर दी गई, लेकिन मौके पर उद्योग स्थापित ही नहीं किया गया। जांच में सामने आया कि सप्लायरों से कथित सांठगांठ कर झूठी प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कर पंजाब नेशनल बैंक की व्यंकट रोड शाखा से 31.50 लाख रुपए का ऋण स्वीकृत कराया गया और बाद में राशि का निर्धारित उद्देश्य के बजाय अन्यत्र उपयोग किया गया। ईओडब्ल्यू के अनुसार मामले की शिकायत प्रकोष्ठ मुख्यालय भोपाल को प्राप्त हुई थी। शिकायत में कल्पना उद्योग की संचालक कल्पना गुप्ता और उनके पति संदीप गुप्ता पर आरोप लगाया गया था कि उन्होंने केंद्र सरकार

की पीएमएफएमई योजना के तहत मिलने वाली सब्सिडी प्राप्त करने के उद्देश्य से फर्जी दस्तावेज तैयार किए। शिकायत के सत्यापन के दौरान दस्तावेजों और परियोजना से जुड़े तथ्यों की जांच की गई, जिसमें प्रथम दृष्टया गंभीर अनियमितताएं सामने आने के बाद आपराधिक प्रकरण दर्ज किया गया।जांच एजेंसी के मुताबिक आरोपियों ने आइसक्रीम निर्माण इकाई स्थापित करने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कराई, जिसमें मशीनों की खरीद और उद्योग की स्थापना दर्शाई गई। इसके लिए सप्लायरों के साथ कथित मिलीभगत कर ऐसे दस्तावेज तैयार किए गए, जिनके आधार पर पंजाब नेशनल बैंक, व्यंकट रोड शाखा से 31.50 लाख रुपए का ऋण स्वीकृत करा लिया गया। हालांकि जांच के दौरान संबंधित स्थल पर आइसक्रीम फैक्ट्री संचालित होना तो दूर, उसके स्थापित होने के भी प्रमाण नहीं मिले। ईओडब्ल्यू का कहना है कि सरकारी योजना के तहत मिलने वाली सब्सिडी का लाभ लेने के उद्देश्य से पूरी प्रक्रिया को कागजों में वैध दिखाया गया। इससे न केवल बैंक को आर्थिक नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया, बल्कि स्वरोजगार और सूक्ष्म खाद्य उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए संचालित केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना का भी दुरुपयोग किया गया। मामले में कल्पना गुप्ता (प्रोपराइटर, कल्पना उद्योग), संदीप गुप्ता, रुपेश कुमार सिंह (प्रोपराइटर, रुद्रांश इलेक्ट्रिक एंड मशीनरी), संतोष कुमार वर्मा तथा अंकिता सिंह (दोनों ओरबिंदो टेक इंफा) सहित अन्य संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता-2023 की धारा 318(4) एवं 61(2) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है।ईओडब्ल्यू अधिकारियों के अनुसार अब बैंक से जुड़े अभिलेख, परियोजना रिपोर्ट, मशीनरी की खरीद, भुगतान से संबंधित दस्तावेज, वित्तीय लेन-देन और सब्सिडी प्रक्रिया की विस्तृत जांच की जाएगी। जांच के दौरान यदि अन्य व्यक्तियों की भूमिका सामने आती है तो उन्हें भी प्रकरण में आरोपी बनाया जा सकता है।

क्या है पीएमएफएमई योजना?

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना का उद्देश्य छोटे खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को वित्तीय सहायता, बैंक ऋण और सरकारी सब्सिडी उपलब्ध कराकर स्वरोजगार को बढ़ावा देना है। योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को परियोजना लागत के आधार पर बैंक ऋण और अनुदान दिया जाता है। ऐसे मामलों में फर्जी दस्तावेजों के जरिए लाभ लेने की कोशिश योजना की पारदर्शिता और सरकारी धन के दुरुपयोग से जुड़ा गंभीर अपराध माना जाता है।

बाल संप्रेषण गृह में 17 वर्षीय किशोर ने उठाया आत्मघाती कदम, कमरे में मिला शव

रीवा। शहर के समान थाना क्षेत्र स्थित रतहरा बाल संप्रेषण गृह में मंगलवार देर शाम एक 17 वर्षीय किशोर द्वारा आत्मघाती कदम उठाए जाने की घटना से हड़कंप मच गया। किशोर का शव संप्रेषण गृह के बेडरूम में मिलने के बाद वहां मौजूद अन्य किशोरों एवं कर्मचारियों ने तत्काल अधिकारियों को सूचना दी। सूचना मिलते ही समान थाना पुलिस, बाल संप्रेषण गृह के अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतक किशोर सीधी जिले के अमिलिया क्षेत्र का निवासी था। वह पॉक्सो अधिनियम से जुड़े एक विचाराधीन प्रकरण में न्यायालय के आदेश पर कुछ दिन पूर्व ही रीवा स्थित बाल संप्रेषण गृह में रखा गया था। जानकारी के मुताबिक घटना से कुछ समय पहले किशोर ने अपने परिजनों से मोबाइल पर बातचीत की थी। इसके बाद शाम लगभग सात बजे जब संप्रेषण गृह में सभी किशोर भोजन करने के लिए भोजनालय की ओर गए, तब उसने साथ जाने से इनकार कर दिया। साथ में मौजूद किशोरों ने उसे भोजन के लिए चलने को कहा, लेकिन उसने पेट दर्द का हवाला देते हुए भोजन करने से मना कर दिया और कमरे में ही रुका रहा। भोजन के बाद जब अन्य किशोर वापस अपने कमरे में पहुंचे तो उन्होंने उसे अचेत अवस्था में पाया। तत्काल इसकी सूचना संप्रेषण गृह के कर्मचारियों एवं अधिकारियों को दी गई। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उसकी मृत्यु हो चुकी थी। घटना की जानकारी मिलते ही समान थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के कारणों की आधिकारिक पुष्टि हो सकेगी।पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। संप्रेषण गृह में मौजूद अन्य किशोरों, कर्मचारियों तथा अधिकारियों से पूछताछ की जा रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि घटना से पहले किशोर की मानसिक स्थिति कैसी थी और उसने परिजनों से बातचीत के दौरान क्या चर्चा की थी।

24 घंटे में दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, सगरा पुलिस की कार्रवाई

रीवा। जिले के सगरा थाना पुलिस ने दुष्कर्म के एक मामले में महज 24 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। पीड़िता की शिकायत मिलते ही पुलिस ने तत्काल प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की और आरोपी की तलाश में विशेष टीम गठित कर कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, एक दिन पूर्व पीड़िता सगरा थाने पहुंची और लिखित शिकायत दर्ज कराई कि नवागांव निवासी विजय साकेत ने उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। शिकायत प्राप्त होते ही थाना पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए महिला पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में पीड़िता के बयान दर्ज कराए। इसके बाद नियमानुसार उसका चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया तथा उपलब्ध साक्ष्यों और प्रारंभिक जांच के आधार पर आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं में अपराध पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण दर्ज होने के बाद थाना प्रभारी दीपक तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी। संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी गई और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। पुलिस के प्रयासों के परिणामस्वरूप शिकायत दर्ज होने के 24 घंटे के भीतर ही आरोपी विजय साकेत को गिरफ्तार कर लिया गया।

सड़क दुर्घटना पीड़ितों के कैशलेस उपचार योजना का प्रभावी क्रियान्वयन करें - अपर कलेक्टर

रीवा । कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए भारत सरकार द्वारा संचालित कैशलेस ट्रीटमेंट स्कीम के प्रभावी क्रियान्वयन एवं योजना से संबंधित प्रक्रियाओं की जानकारी प्रदान करने के लिए कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में निजी अस्पतालों के प्रतिनिधियों एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी ने योजना के अंतर्गत सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को निर्धारित सीमा तक निःशुल्क एवं त्वरित उपचार उपलब्ध कराने की व्यवस्था, पोर्टल संचालन, मरीजों की ऑनलाइन एंट्री, दावा प्रक्रिया तथा अस्पतालों की जिम्मेदारियों के संबंध में निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर ने उपस्थित निजी अस्पतालों के प्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि वे योजना के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए सभी पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ प्रदान करें तथा पोर्टल पर आवश्यक जानकारी समय पर दर्ज करना सुनिश्चित करें। साथ ही अस्पतालों को यूजर मैनेजमेंट पोर्टल के संचालन एवं रिपोर्टिंग संबंधी तकनीकी जानकारी भी प्रदान की गई। बैठक में बताया गया कि योजना का उद्देश्य दुर्घटना पीड़ितों को समय पर उपचार उपलब्ध कराकर मृत्यु दर को कम करना है। बैठक में स्वास्थ्य विभाग, यातायात पुलिस, जिला प्रशासन एवं योजना से संबद्ध निजी अस्पतालों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी सहभागी संस्थाओं से समन्वित प्रयास कर योजना को प्रभावी रूप से लागू करने तथा दुर्घटना पीड़ितों को शीघ्र उपचार सुविधा उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया।

रहस्यमयी बीमारी का कहर: एक ही परिवार के आठ बच्चे हुए विकलांग दो की मौत, डेढ़ साल बाद भी एम्स की रिपोर्ट का इंतजार

रीवा। जिले के मनगवां क्षेत्र से एक बार फिर मानवता को झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक ही परिवार के आठ बच्चे अज्ञात बीमारी की चपेट में आकर धीरे-धीरे शारीरिक रूप से विकलांग होते चले गए। इनमें से दो बच्चों की मौत हो चुकी है, जबकि छह बच्चियां आज भी गंभीर शारीरिक विकलांगता के साथ जीवन जीने को मजबूर हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि करीब डेढ़ वर्ष पूर्व मामला अखबारों में प्रमुखता से सामने आने के बाद प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और जनप्रतिनिधियों ने हरसंभव इलाज का भरोसा दिलाया था, लेकिन आज तक न तो बीमारी का कारण स्पष्ट हो सका और न ही एम्स में कराई गई जांच की अंतिम रिपोर्ट परिवार को उपलब्ध कराई गई। एक बार फिर परिवार मंगलवार को आयोजित कलेक्ट्रेट की जनसुनवाई में पहुंचा और प्रशासन के सामने मदद की गुहार लगाई। परिवार का कहना है कि यदि अब भी समुचित उपचार नहीं मिला तो शेष छह बच्चियों का जीवन भी खतरे में पड़ सकता है। बता दे मनगवां जनपद के ग्राम बांस निवासी धनपति साकेत के परिवार की यह पीड़ा वर्षों पुरानी है। परिवार में जन्म लेने वाले बच्चों में एक जैसी रहस्यमयी बीमारी के लक्षण सामने आए। शुरुआती दिनों में बच्चे सामान्य दिखाई देते थे, लेकिन जैसे-जैसे उनकी उम्र बढ़ती गई, उनके हाथ-पैर कमजोर पड़ने लगे, चलने-फिरने की क्षमता समाप्त होती गई और वे धीरे-धीरे गंभीर विकलांगता का शिकार हो गए। परिवार के अनुसार इसी बीमारी के कारण अब तक दो बच्चों की मौत हो चुकी है, जबकि छह लड़कियां जीवित हैं। इनमें से पांच पूरी तरह विकलांग हो चुकी हैं और एक बच्ची में भी बीमारी के लक्षण लगातार बढ़ रहे हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के लिए उनका इलाज कराना संभव नहीं हो पा रहा है। करीब डेढ़ वर्ष पहले जब इस दर्दनाक घटना को दैनिक अखबारो ने प्रमुखता से उठाया था, तब प्रशासनिक अमला हरकत में आया था। स्थानीय प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और जनप्रतिनिधियों ने परिवार से मुलाकात कर बेहतर इलाज का आश्वासन दिया था। चिकित्सकों ने माना था कि इस बीमारी का उपचार और सटीक जांच रीवा में संभव नहीं है। इसके बाद सभी बच्चों को दिल्ली स्थित एम्स भेजा गया, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा विभिन्न प्रकार की जांच कराई गई। परिवार को उम्मीद थी कि जांच रिपोर्ट आने के बाद बीमारी की वास्तविक वजह सामने आएगी और इलाज शुरू हो सकेगा, लेकिन डेढ़ साल बीत जाने के बावजूद न तो जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराई गई और न ही आगे के उपचार की कोई ठोस व्यवस्था की गई।

वादे हुए, लेकिन नहीं मिली राहत

परिजनों का आरोप है कि शुरुआत में अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने लगातार संपर्क बनाए रखा, लेकिन समय बीतने के साथ सभी ने इस मामले से दूरी बना ली। अब परिवार पूरी तरह अपने हाल पर छोड़ दिया गया है। आर्थिक तंगी के कारण बच्चियों का नियमित उपचार भी संभव नहीं हो पा रहा है, जिससे उनकी स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है।मंगलवार को धनपति साकेत अपनी विकलांग बेटियों की पीड़ा लेकर रीवा कलेक्ट्रेट पहुंचे। जनसुनवाई में उन्होंने प्रशासन से मांग की कि एम्स में कराई गई जांच रिपोर्ट शीघ्र उपलब्ध कराई जाए, बच्चियों का विशेषज्ञ चिकित्सकों से उपचार कराया जाए तथा परिवार को आर्थिक सहायता और पुनर्वास योजना का लाभ दिया जाए।

खनिज विभाग उड़नदस्ता दल को सक्रिय करते हुए अवैध खनिज उत्खननों पर अंकुश लगाएं : कमिश्नर

कमिश्नर ने समय सीमा की बैठक में दिए विभिन्न निर्देश कमिश्नर ने पशुओं के शत-प्रतिशत टीकाकरण और गौशालाओं का निरीक्षण करने के दिए निर्देश

रीवा । रीवा संभाग कमिश्नर शीलेंद्र सिंह ने संयुक्त संचालक उच्च शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि वह संभाग के सभी जिलों के एक-एक महाविद्यालय में यूपीएससी एवं एमपीपीएससी की कक्षाएं तत्काल प्रारंभ कराएं। कमिश्नर ने कहा कि यूपीएससी व एमपी पीएससी के विषय से संबंधित पुस्तकों का सेट सभी विद्यार्थियों को उपलब्ध करा दिया जाएगा। कमिश्नर ने इस संबंध में सभी विषयवार प्राध्यापकों को एमपीपीएससी एवं यूपीएससी के कोर्स पढ़ाने के लिए प्रेरित करने के निर्देश भी दिए। कमिश्नर ने संयुक्त संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं को निर्देश दिए कि वह बारिश से पूर्व सभी पशुओं का शत-प्रतिशत टीकाकरण कराना सुनिश्चित करें और जिससे उन्हें खुरपका और मुंहपका रोग से बचाया जा सके, साथ ही जिले में स्थित सभी गौशालाओं का भी रोस्टर के अनुसार निरीक्षण करना सुनिश्चित करें। गौशालाओं में यदि किसी भी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित के विरूध तत्काल कार्रवाई करना भी सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने खनिज विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए कि वह अपने विभाग के उड़नदस्ता दल को व्यापक रूप से सक्रिय करें और खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर सख्ती से कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने सभी विभाग प्रमुख को आगामी 16 एवं 17 जुलाई को सभी जिला कोषालय में लेखा संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिए आयोजित हो रहे शिविर का लाभ उठाने के निर्देश दिए और कहा कि सभी विभाग के अधिकारी अपने विभागीय लेखा, बकाया स्वत्वों, पेंशन, ग्रेच्युटी एवं वित्त संबंधी समस्याओं का निराकरण शिविर के माध्यम से कराना सुनिश्चित करें। एक पेड़ मां के नाम अभियान की समीक्षा करते हुए उन्होंने जन अभियान परिषद के अधिकारी को निर्देश दिए कि वह ग्राम पंचायतो में वृहद स्तर पर पौधारोपण कराना सुनिश्चित करें, साथ ही सिंगरौली जिले में विशेष तौर पर व्यापक पैमाने पर पौधारोपण का अभियान चलाते हुए पौधारोपण कराना सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने संयुक्त संचालक उद्यानकी को निर्देश दिए कि वे शासन द्वारा रीवा और सतना जिले में मखाना की खेती को बढ़ावा देने के लिए जो लक्ष्य दिए गए हैं उसकी शत-प्रतिशत पूर्ति करते हुए औषधीय पौधों की खेती को भी बढ़ावा दें। कमिश्नर ने ईआरईएस के अधिकारी को निर्देश दिए कि वह विभाग द्वारा निर्धारित किए गए सभी कार्य समय सीमा में पूर्ण करते हुए संबंधित एजेंसी को पूर्ण कार्य हैंडओवर भी करें। कमिश्नर ने स्वास्थ्य एवं महिला बाल विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह चिन्हित ग्राम पंचायतो में स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर गर्भवती महिलाओं की एएनसी चेकअप अनिवार्य रूप से कराना सुनिश्चित करें। सभी डीपीओ एवं सीएमएचओ मिलकर 154 जर्जर व क्षतिग्रस्त सार्वजनिक भवन चिन्हित किए गए थे जिनमें 86 भवनो को डिस्मेंटल कर दिया गया है एवं बाकी में संबंधित को नोटिस जारी किए गए हैं। कमिश्नर ने विधायक निधि, सांसद निधि एवं मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान निधि की जानकारी ली। कमिश्नर ने पीआईयू विभाग के अधिकारी को संभाग के सभी निर्माणाधीन सीएम राइज स्कूल (सांदीपनि स्कूल) को इसी वर्ष पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आयुष अधिकारी को निर्देश दिए कि वह ₹आयुष आपके द्वार अभियान₹ के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र के आयुष अस्पतालों के माध्यम से लोगों को घर-घर जाकर स्वास्थ्य के लिए प्रेरित करें। कमिश्नर ने बैठक में ऊर्जा विभाग के नए स्थापित सब स्टेशन, 33 केव्ही के पूर्ण हो चुके ट्रांसफार्मर, मत्स्य विभाग के सीड प्रोडक्शन के कार्य की प्रगति, स्कूल शिक्षा विभाग के वॉश एवं क्लीन अभियान के संबंध में जानकारी ली। कमिश्नर ने संभागीय मत्स्य अधिकारी को निर्देश दिए कि वह सभी जिलों में एक केज कल्चर अनिवार्य रूप से स्थापित करें।

माखनलाल विश्वविद्यालय परिसर में शुल्क रियायत की मांग सभी वर्गों के विद्यार्थियों को फीस में राहत देने की मांग को लेकर एड जयराम पाण्डेय ने निदेशक को सौंपा ज्ञापन

रीवा। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के रीवा परिसर में आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को प्रवेश एवं शुल्क में राहत दिए जाने की मांग को लेकर जिला एवं सत्र न्यायालय रीवा के अधिवक्ता जयराम पाण्डेय ने विश्वविद्यालय के परिसर निदेशक को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मध्य प्रदेश शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ विश्वविद्यालय में अध्ययनरत एवं प्रवेश लेने वाले पात्र विद्यार्थियों तक पहुंचाने की मांग की गई है।ज्ञापन में अधिवक्ता जयराम पाण्डेय ने कहा कि वर्तमान समय में उच्च शिक्षा का व्यय लगातार बढ़ रहा है, जिसके कारण आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के अनेक छात्र-छात्राएं अपनी पढ़ाई बीच में छोड़ने या प्रवेश से वंचित होने को विवश हैं। उन्होंने मांग की कि विश्वविद्यालय के यूजी एवं पीजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले पात्र विद्यार्थियों को मध्य प्रदेश शासन की संबल योजना, बीपीएल, ईडब्ल्यूएस, अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) सहित शासन द्वारा संचालित अन्य पात्रता आधारित योजनाओं के अनुरूप शुल्क में छूट प्रदान की जाए।ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि यदि शासन की इन योजनाओं का लाभ विश्वविद्यालय स्तर पर प्रभावी रूप से लागू किया जाता है तो समाज के हर वर्ग के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने का समान अवसर मिलेगा। इससे आर्थिक अभाव किसी भी विद्यार्थी की शिक्षा में बाधा नहीं बनेगा और प्रतिभाशाली छात्र-छात्राएं अपनी योग्यता के अनुरूप आगे बढ़ सकेंगे। अधिवक्ता ने यह भी कहा कि वर्तमान में अनेक विद्यार्थी केवल आर्थिक तंगी के कारण विश्वविद्यालय में प्रवेश नहीं ले पा रहे हैं। यदि समय पर उन्हें प्रवेश नहीं मिलता है तो उनका पूरा शैक्षणिक सत्र प्रभावित हो सकता है, जिससे उनके भविष्य और करियर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। इसलिए शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ तत्काल प्रभाव से लागू किया जाना आवश्यक है। ज्ञापन में ऐसे विद्यार्थियों के हितों का भी विशेष रूप से उल्लेख किया गया है, जिनके माता-पिता का निधन हो चुका है अथवा जिनके माता-पिता की आयु 60 वर्ष से अधिक है और जिनके नाम पर संबल कार्ड जारी हो चुका है। ऐसे पात्र विद्यार्थियों को भी योजना का लाभ प्रदान कर शुल्क में राहत दिए जाने की मांग की गई है। इसके साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर छात्राओं को भी बीपीएल एवं संबल योजना के तहत प्रवेश प्रक्रिया में विशेष राहत उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया है, ताकि आर्थिक कारणों से कोई भी छात्रा उच्च शिक्षा से वंचित न रहे। ज्ञापन के माध्यम से विश्वविद्यालय प्रशासन से अपेक्षा की गई है कि वह मध्य प्रदेश शासन की जनहितकारी योजनाओं का लाभ पात्र विद्यार्थियों तक पहुंचाने के लिए आवश्यक प्रक्रिया प्रारंभ करे। अधिवक्ता जयराम पाण्डेय का कहना है कि यदि इस दिशा में सकारात्मक निर्णय लिया जाता है तो बड़ी संख्या में आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को राहत मिलेगी, उच्च शिक्षा का दायरा विस्तृत होगा तथा रीवा परिसर में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों की संख्या बढ़ने के साथ विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रतिष्ठा भी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुदृढ़ होगी

कलेक्टर ने जनसुनवाई मे प्राप्त आवेदन में अधिकारियों को निराकरण के दिए निर्देश

मऊगंज। कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में जिले के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों से आए नागरिकों के कुल 154 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने संबंधित आवेदनों को विभागीय अधिकारियों को प्रेषित कर समुचित कार्यवाही करने के निर्देश दिये।उन्होंने इस दौरान भूतपूर्व सैनिकों की समस्याओं को भी सुना। नईगढ़ी जनपद के पथरौड़ा ग्राम पंचायत से दो दर्जन से अधिक ग्रामीणों ने आवेदन देकर बताया कि गांव के ही कुछ लोगों द्वारा 50 वर्ष पुराने आम रास्ते को जबरन जोत लिया गया है, जिससे ग्रामीणों का आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है। इसी प्रकार हनुमना तहसील के करकचहा और मऊगंज तहसील के नौढ़िया गांव से आए लोगों ने भी रास्ता अवरुद्ध करने की शिकायत की। कुलबहेरिया निवासी साधना सिंह ने आम रास्ते से पेड़ काटने की अनुमति मांगी। बहेरा कोठार, नईगढ़ी के श्रवण कुमार शुक्ला ने नंदन फल उद्यान योजना की मजदूरी भुगतान के संबंध में आवेदन दिया। इस पर कलेक्टर ने मौके पर ही जनपद सीईओ नईगढ़ी को तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए। चौका सोनवर्षा निवासी जगदीश प्रसाद कुशवाहा ने प्रधानमंत्री मार्ग पर बने पुल को बंद किए जाने की शिकायत करते हुए कहा कि इसे नहीं खोला गया तो जलभराव की स्थिति निर्मित हो सकती है। पहाड़ी निवासी लल्ला कुशवाहा ने निजी भूमि पर कब्जा दिलाने तथा फुलहा निवासी रामस्वरूप सोधिया ने भूमिहीन पट्टा प्रदान करने की मांग की। इस पर कलेक्टर ने एसडीएम मऊगंज को नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए। अल्हौआ निवासी श्यामसुंदर शर्मा ने राजस्व रिकॉर्ड में जाति त्रुटि सुधार तथा नईगढ़ी के टटिहरा कला निवासी सुमन सिंह पटेल ने कब्जे पट्टे की पुश्तैनी भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत दर्ज कराई। इस दौरान भूतपूर्व सैनिकों द्वारा अपनी समस्याओं को रखा गया जिन्हें कलेक्टर द्वारा संबंधी विभाग के अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देश दिए। सभी आवेदनों को गंभीरता से सुनने के बाद कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई शासन की महत्वपूर्ण प्राथमिकता है और किसी भी आवेदन को लंबित नहीं रखा जाए। अधिकारियों को प्रत्येक आवेदन पर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर पीके पांडेय, एसडीएम मऊगंज एपी द्विवेदी, एसडीएम हनुमना राजेश मेहता, डिप्टी कलेक्टर रश्मि चतुर्वेदी सहित राजस्व, पंचायत, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला बाल विकास एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

नईगढ़ी में दिव्यांग एवं वृद्धजनों के लिए एडिप शिविर का हुआ आयोजन

मऊगंज। जिले के नईगढ़ी मे भारत सरकार की एडिप (ADIP) योजना एवं राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए कृत्रिम अंग वितरण एवं सहायक उपकरण चिन्हांकन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर जनपद पंचायत नईगढ़ी की मुख्य कार्यपालन अधिकारी ऊषा किरण गुप्ता के निर्देशन में नगर परिषद नईगढ़ी के बहुउद्देशीय भवन में संपन्न हुआ।शिविर में भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम के विशेषज्ञों द्वारा दिव्यांगजनों एवं वृद्धजनों का परीक्षण कर विभिन्न सहायक उपकरणों के लिए चिन्हांकन किया गया। इस दौरान आठ दिव्यांग हितग्राहियों को कृत्रिम अंग एवं कैलिपर्स वितरित किए गए, जिससे उन्हें दैनिक जीवन में चलने-फिरने तथा आत्मनिर्भर बनने में सहायता मिलेगी।इसके अलावा मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल, ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर, बैसाखी, श्रवण यंत्र एवं अन्य सहायक उपकरणों के लिए पात्र दिव्यांगजनों का चिन्हांकन किया गया। अधिकारियों ने बताया कि चिन्हित 39 दिव्यांगजनों को आगामी वितरण कार्यक्रम में भारत सरकार द्वारा निःशुल्क सहायक उपकरण प्रदान किए जाएंगे।शिविर में रवि पमवानी (सामाजिक सुरक्षा अधिकारी), शशिकांत सोनी (एडीईओ), जनपद पंचायत एवं नगर परिषद के कर्मचारी उपस्थित रहे।भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी उप शाखा नईगढ़ी के चेयरमैन उमाशंकर त्रिपाठी एवं रेड क्रॉस सोसायटी के सदस्य आशीष शुक्ला ने भी व्यवस्थाओं में सहयोग प्रदान किया। उमाशंकर त्रिपाठी ने बताया कि इस शिविर का उद्देश्य दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को आत्मनिर्भर बनाना तथा उन्हें शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना है। उन्होंने कहा कि आगामी वितरण कार्यक्रम में चिन्हित हितग्राहियों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे तथा क्षेत्र के सभी पात्र दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिक भविष्य में भी ऐसे शिविरों का लाभ अवश्य लें।